सांध्य दैनिक

4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 199 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 अगस्त, 2023

दुनिया में कोई भी चीज कभी भी पूरी तरह से गलत नहीं होती। यहां तक की रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही होती है।

-पाओलो कोएलो

अजित पवार हमारे... 2 | बिहार में बहने वाली है नई सियासी... 3 | विदेशी ताकतों की साजिश का... 7

चीन ने हजारों किमी जमीन भारत से छीनी, प्रधानमंत्री बोल रहे झूठ : राहुल

» कांग्रेस सांसद ने कारगिल में जनसभा को किया संबोधित

» भाजपा के नेता लद्दाख के लोगों की जमीन अपने उद्योगपति मित्रों को देना चाहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कारगिल। अपने लद्दाख दौरे के अंतिम दिन आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कारगिल में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। चीन मामले में केंद्र सरकार और पीएम मोदी के झूठ बोलने का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि चीन पर केंद्र सरकार पूरा सच नहीं बता रही है।

चीन ने हजारों किलोमीटर जमीन भारत से छीनी है। दुख की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष की बैठक में कहा था कि चीन ने एक इंच भी जमीन नहीं छिनी। प्रधानमंत्री की ये बात बिल्कुल झूठ है। राहुल ने कहा कि लद्दाख का हर व्यक्ति इस बात को जानता है कि लद्दाख की जमीन चीन ने ली है। प्रधानमंत्री सच नहीं बोल रहे हैं।

लद्दाख के लोग दिल से बात करते हैं

जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आगे कहा कि सीमा पर जब भी युद्ध हुआ तो लद्दाख के लोगों ने पूरी बहादुरी के साथ इसका सामना किया है। एक बार नहीं अनेक बार लद्दाख ने अपनी बहादुरी का परिचय दिया है। इसके लिए वे दिल से लद्दाख वासियों का धन्यवाद करते हैं। वह लद्दाख दौरे के दौरान के चारों ओर घुमे हैं। ये सबसे सुंदर जगहों में से एक है। लद्दाख के लोग दिल से बात करते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं लद्दाख के कोने-कोने में गया। लोगों से बात की। दूसरे नेता (पीएम नरेंद्र मोदी) हैं वो अपने मन की बात करते हैं। मैंने सोचा कि मैं आपके (लद्दाखवासी के) मन की बात सुनूं। राहुल ने कहा कि उन्होंने लद्दाख के लोगों की समस्याओं और उनके असल मुद्दों को समझने की कोशिश की। लद्दाख के लोगों का कहना है कि उनकी आवाज दबाई जा रही है।

“लद्दाख का हर व्यक्ति इस बात को जानता है कि लद्दाख की जमीन चीन ने ली है।

राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

बेरोजगारी का एपीसेंटर है लद्दाख

राहुल ने लद्दाख के हालातों के बारे में बात करते हुए कहा कि लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश तो बनाया गया, लेकिन जो अधिकार के वादे किए गए उन्हें पूरा नहीं किया गया। लद्दाख के कोने-कोने में किसी भी युवा से बात की जाए तो बताएगा लद्दाख बेरोजगारी का एपीसेंटर है। यहां फोन नेटवर्क की दिक्कत को भी लोगों ने प्रमुखता से उठाया। साथ ही लद्दाख में हवाई अड्डा तो बनाया दिया गया, लेकिन हवाई जहाज यहां पर नहीं आते हैं। इन मुद्दों में कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। राहुल ने कहा कि लद्दाख के लोगों का उनकी जमीन, रोजगार, संस्कृति, भाषा को लेकर जो संघर्ष है, इसमें कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। लद्दाख में प्राकृतिक संसाधन की कमी नहीं है। यहां सौर ऊर्जा की भी उपलब्ध है। भाजपा ये बात जानती है। भाजपा के नेता लद्दाख के लोगों से जमीन लेना चाहते हैं और अडानी के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट यहां लगाना चाहते हैं। इसका फायदा आपको नहीं देना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी ने लेह अपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस की सभी मांगों का पूरा समर्थन करती है। राहुल गांधी ने कहा कि उनका लद्दाख का दौरा भारत जोड़ो यात्रा की ही हिस्सा है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वे लद्दाख तक आना चाहते थे, लेकिन उस समय के बर्फीले मौसम के चलते उन्हें प्रशासन की तरफ से इसकी इजाजत नहीं मिली।

पहली सितंबर को होगी ‘इंडिया’ की मुंबई में बैठक : नीतीश

» 31 अगस्त को मुंबई पहुंचेंगे विपक्ष के सभी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा विपक्षी संगठन इंडिया अब तक अपनी दो बैठकें पटना और बेंगलूरु में कर चुका है। अब विपक्ष की तीसरी बैठक मुंबई में होनी तय हुई है। इस बैठक को लेकर ऐसी खबरें आ रही थीं कि बैठक 30 या 31 अगस्त को मुंबई में हो सकती है। लेकिन अब बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने इंडिया की मुंबई बैठक की तारीख साफ कर दी है। नीतीश ने बताया की मुंबई में प्रस्तावित बैठक अब एक सितंबर को की जाएगी।

23 जून को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ देशभर के भाजपा-विरोधी दलों की पटना में बैठक कराने वाले नीतीश कुमार ने बताया कि बेंगलुरु की दूसरी बैठक से आगे की बात मुंबई में की जाएगी। ज्यादातर लोग 31 अगस्त को मुंबई पहुंच जाएंगे और उसके अगले दिन, शुक्रवार एक सितंबर को बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कई तरह के जो सवाल उठ रहे हैं, उन सभी का जवाब सभी लोगों की राय लेने के बाद बताएंगे। इंडिया का संयोजक नीतीश कुमार को बनाए जाने से लेकर राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद और कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी की इसमें भूमिका से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में उन्होंने यह बातें कही।

मीटिंग में हर मुद्दे पर होगी बात

मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम नीतीश कुमार कहा कि एक सितंबर को मुंबई में विपक्षी पार्टियों के साथ मीटिंग है। तीसरी बैठक में हमलोग 31 अगस्त को जाएंगे। हमलोग एक सितंबर को मीटिंग में शामिल होंगे। हम तो चाहते ही हैं कि सब लोग एक साथ हो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अलग-अलग राज्य को प्रभार दिए जाने के सवाल पर कहा कि मीटिंग में हर मुद्दे पर बात होगी। इसके बाद जो तय होगा, वह आपको बताया ही जाएगा। इस पर अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा।

केंद्र सरकार जानबूझकर कर रही लालू को परेशान

चारा घोटाला केस में लालू प्रसाद की जमानत रद्द करने की याचिका सीबीआई द्वारा दायर करने को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जानबूझ कर केंद्र सरकार उन्हें परेशान कर रही है। वह लोग तो जानबूझ कर लोगों को तंग कर रहा है।

पूरे देश में रोल मॉडल बनेगा जाति जनगणना

जाति आधारित जनगणना को लेकर भी नीतीश कुमार ने बड़ा बयान दिया। बिहार मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति आधारित गणना पूरे देश में रोल मॉडल बनेगा। अब तो कई राज्यों में मांग में उठने लगी है। सभी आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे। कुछ लोगों ने जाति आधारित गणना में रोड़ा अटकाने का काम किया है। यह सभी को पता है कि आज कल केंद्र वाले क्या कर रहे हैं। बीपीएससी की परीक्षा को लेकर नीतीश कुमार ने कहा कि अच्छे तरीके से परीक्षा का आयोजन हो रहा है। बड़े पैमाने पर बहाली होगी जिसका सभी को फायदा मिलेगा।

धर्म के नाम पर जनता को गुमराह कर रही भाजपा : अखिलेश

» बोले- अयोध्या और राम मंदिर सबका, हम भी करते हैं पूजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बन रहा है। मंदिर सभी का है। अयोध्या सभी की है, केवल भाजपा की नहीं। हम लोग भी पूजा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में ऐसा कोई काम नहीं किया है, जिसे लेकर जनता से वोट मांग सके।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन एकजुट है। समय आने पर सीटों के बंटवारे पर गठबंधन आपस में बैठकर फैसला कर लेगा। दिल्ली में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने जनता से झूठे वादे किए हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली का एक भी संयंत्र नहीं लगा। आज प्रदेश को जो बिजली मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के दौरान बनाए गए पावर प्लांटों से मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र में टमाटर की महंगाई पर आवाज उठाने वाले दुकानदार और उसके बेटे को जेल भेज दिया गया।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने जनता से सिर्फ झूठे वादे किए हैं। प्रदेश में बिजली का एक भी कारखाना नहीं लगाया। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई, बेरोजगारी कम नहीं हुई। इस सरकार ने किसानों के लिए एक भी मंडी नहीं बनाई। गांव-गांव में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान बेरोजगार हैं। आखिरकार भाजपा जनता को कब तक गुमराह करेगी। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं भी वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए वोट डालेंगी।

तैरिए कि आप आगरा में हैं...

आगरा में यमुना किनारा रोड पर स्ट्रेची ब्रिज के नीचे जलभराव से करीब छह घंटे तक ट्रैफिक बंद रहा। इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज कसते हुए बस के पानी में फंसने की फोटो प्रकाशित होने का ट्वीट करते हुए लिखा कि तैरिए आप आगरा में हैं। मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचने पर बृहस्पतिवार को नगर निगम अधिकारियों ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर यमुना किनारा रोड के जलभराव समेत शहर में जगह-जगह जलभराव के पोस्ट वायरल हो गए।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर हुआ सिर्फ इवेंट

अखिलेश यादव ने कहा कि इन्वेस्टमेंट के नाम पर केवल इवेंट हुआ है। सरकार कह रही है कि 33 लाख करोड़ का एमओयू हुआ है, लेकिन कोई भी निवेश जमीन पर नहीं उतरा है। सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि प्रदेश में छुट्टा जानवरों की समस्या भाजपा सरकार की देन है। हर दिन प्रदेश में जानवरों के कारण किसी न किसी की मौत हो रही है। अखिलेश ने कहा कि लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या हुई लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने उत्तर प्रदेश को देश का सबसे बेहतरीन डिजाइन का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे दिया। इसी एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री जहाज से उतरे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के विचारों, डॉ राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों और नेताजी के संघर्षों पर चलते हुए लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है। उन्होंने मणिपुर में महिलाओं और बेटियों के साथ हुई घटना को शर्मनाक करार दिया।

कोई यादव नहीं बन सकता यूपी का सीएम : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एनडीए में शामिल होने के बाद से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमलावर हैं। गुरुवार को घोसी उपचुनाव में प्रचार के दौरान एक बैठक को संबोधित करते हुए ओपी राजभर ने सपा प्रमुख पर जमकर व्यंग्य बाण छोड़ा। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने वह बीज बो दिया है जिसके कारण अब वो तो क्या यूपी में कोई भी यादव मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। पत्रकारों ने जब पूछा तो उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव कैसे सीएम बन जाएंगे। उन्हें वोट कौन देगा? उन्होंने कहा कि अब सब कान खोल के सुन लो ये ओपी राजभर कह रहा है।

राजभर ने आगे कहा कि हां ये अलग बात है कि भविष्य में अखिलेश यादव खुद की बिरादरी से इतर अगर दूसरी जाति के लोगों को आगे करते हैं, तो उनकी सरकार बनने के कयास लगाए जा सकते हैं। नहीं तो यादव मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। वहीं खुद के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मैं इसके काबिल नहीं हूं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य को दगा हुआ कारतूस बताया। आरोपी लगाया किस सपा वालों ने ही उनपर जूता फिंकवाया था।

सीएचसी व पीएचसी की भी होगी कैमरों से निगरानी : ब्रजेश पाठक

» अभी जिला अस्पतालों में मिल रही है ये सुविधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक अक्सर अस्पतालों का निरीक्षण करते रहते हैं और उनमें सुधार के लिए प्रयासरत रहते हैं। अस्पतालों में व्यवस्थाओं के बारे में बात करते हुए पाठक ने कहा कि जिला अस्पतालों, 200 बेड के अस्पतालों, महिला एवं पुरुष संयुक्त अस्पतालों की कैमरे से निगरानी के बाद व्यवस्था में सुधार हुआ है। जल्द ही सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी इससे जोड़ा जाएगा।

पाठक ने ये बातें स्वास्थ्य महानिदेशालय में स्थापित हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन कमांड सेंटर के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। पाठक ने कहा कि होप में स्वास्थ्य के सभी पोर्टल एवं मोबाइल एप्स के लिए रीयल टाइम डैशबोर्ड है। इसमें ई-सुश्रुत, ई-कवच, ई-औषधि, ई-संजीवनी आदि को जोड़ा गया है। एनडीएचएम को भी इस नेटवर्क में शामिल किया गया है। होप के संचालन से चिकित्सालयों में प्रतिदिन आने वाली समस्याओं का रीयल टाइम मैनेजमेंट द्वारा निराकरण किया जाएगा।

मोदी-योगी की सरकार दमनकारी: राय

» प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- जिस बुलडोजर से सरकार डराती है उसका मुंह तोड़ देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कल प्रदेश मुख्यालय पर आकर अपना पदभार ग्रहण किया। इस दौरान नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। तो वहीं कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं व पार्टी के लिए जान की बाजी तक लगाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि दमन के खिलाफ कांग्रेस शहर से लेकर गांव तक सड़क पर संघर्ष करती नजर आएगी।

मोदी-योगी की सरकार दमनकारी है। जिस ईडी-सीबीआइ व बुलडोजर से डराया जाता है, मैं उस बुलडोजर का मुंह मोड़ दूंगा। लाठी-गोली चलेगी तो छाती खोलकर खड़े होंगे। पीठ नहीं दिखेगी। अजय राय ने कहा कि सरकार को चुनौती देता हूं कि बुलडोजर चलाना है तो अजय राय के घर पर चलाओ। मैं डरने वाला नहीं। अपनी बात भगवान गणेश की स्तुति से आरंभ करते हुए अजय राय ने कहा कि महादेव की नगरी से आया हूं। गौतमबुद्ध, संत रविदास, कबीरदास, लाल बहादुर शास्त्री भी काशी की धरती से आते हैं। काशी की जो सोच-मिजाज है, वहीं कांग्रेस की सोच-मिजाज है। जहां हिंदू-मुस्लिम, सिख, ईसाई व सभी धर्म के लोग एक समान हैं। सरकार ने मुझे वर्ष 2017 में रासुका लगाकर सात माह के लिए जेल भेज दिया था, पर मैं तब भी पीछे नहीं हटा। कहा कि 24 अगस्त को पदभार संभालने का निर्णय इसलिए किया कि आज यूपी से लोकसभा चुनाव 2024 में केंद्र सरकार बदलने का संदेश देना था।

राहुल गांधी को पीएम बनाने में यूपी की बड़ी जिम्मेदारी

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2024 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, तो सबसे बड़ी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश की है। चूक गए, कमजोर पड़ गए तो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बना पाएंगे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर काम करना होगा। दिन-रात मेहनत करनी होगी। पदभार ग्रहण समारोह को कांग्रेस की नीति निर्धारण राजनीतिक इकाई-कार्यसमिति के सदस्य सलमान खुर्शीद, सांसद प्रमोद तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री, अजय कुमार लल्लू, बृजलाल खाबरी, महासचिव धीरज गुर्जर, वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया, सुप्रिया श्रीनेत, आराधना मिश्रा मोना व अन्य ने भी संबोधित किया।

अजित पवार हमारे नेता : शरद पवार

» एनसीपी प्रमुख का सियासी दांव, कहा- पार्टी में कोई विभाजन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मची सियासी हलचल अभी भी जारी है। एनसीपी में मची टूट की खबरों के बीच अब राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी यानी कि एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने अपनी पार्टी और भतीजे अजित पवार को लेकर एक बड़ा बयान दिया। शरद पवार ने कहा कि इसमें कोई मतभेद नहीं है कि अजित पवार हमारे नेता हैं। एनसीपी प्रमुख ने पार्टी में विभाजन होने की बात से भी इनकार कर दिया।

शरद पवार ने कहा कि एनसीपी में कोई विभाजन नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी पार्टी में फूट कैसे पड़ती है? ऐसा तब होता है, जब राष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा समूह पार्टी से अलग हो जाता है, लेकिन आज एनसीपी में ऐसी कोई स्थिति नहीं है। एनसीपी प्रमुख ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्याज निर्यात पर बढ़ाया गया शुल्क हटाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार चीनी निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा सकती है। उन्होंने कहा कि प्याज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। पवार ने कहा कि देश से प्याज बड़ी संख्या में निर्यात किया जाता है। सरकार ने निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगा दिया है। इसका नासिक के किसान विरोध कर रहे हैं। वे अपनी प्याज की उपज के लिए उचित मूल्य की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्याज उत्पादकों की लागत को ध्यान में रखते हुए उन्हें उचित मूल्य दे।

प्याज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी

कुछ लोगों ने अपनाया अलग रुख

बारामती में एनसीपी प्रमुख ने कहा कि पार्टी के कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है, लेकिन इसे फूट नहीं कहा जा सकता। वे लोकतंत्र में ऐसा कर सकते हैं। इससे पहले, 20 अगस्त को पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए पवार ने कहा था कि पार्टी के कुछ नेता, जो पाला बदल कर अजित पवार गुट के साथ चले गए और शिवसेना (एकनाथ शिंदे)-भाजपा सरकार में शामिल हो गए, उनकी ईडी द्वारा जांच की जा रही है।

बिहार में बहने वाली है नई सियासी बयार!

जदयू की कार्यकारिणी से बाहर हुए हरिवंश

» क्या पार्टी से दूर जाएंगे, लग रहे कयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में आजकल राजनीति फिर नई करवटें लेने लगी है। अभी कुछ महीने पहले, उपेन्द्र कुशवाहा, जीतनराम मांझी व चिराग पासवान जैसे बहुत से नेता नीतिश कुमार का साथ छोड़कर एनडीए में जा चुके हैं। अब वहां पर जदयू ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की है उसमें अपने वरिष्ठ नेता व राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश नारायण को स्थान नहीं दिया है। हालांकि ये कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है पर इस फैसले की चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोगों ने कहा है कि इस निर्णय से राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बेबसी नजर आ रही है।

दरअसल, नीतीश कुमार ने जब भाजपा नीत गठबंधन को अलविदा कर महागठबंधन से रिश्ता जोड़ा और प्रदेश में सरकार बनाई, उसी समय हरिवंश नारायण को नैतिकता के आधार पर उप सभापति के पद से इस्तीफा देते। नीतीश कुमार उनसे स्वत: निर्णय की उम्मीद लगाए बैठे थे। पर ऐसा नहीं कर हरिवंश नारायण ने नीतीश कुमार की उम्मीद को पहला झटका दिया। नए सदन भवन के उद्घाटन सत्र का जब जनता दल यू ने बहिष्कार किया तब भी नीतीश कुमार चाहते थे कि हरिवंश नारायण भी सदन के उद्घाटन सत्र का बहिष्कार करें। पर हरिवंश नारायण अपनी उप सभापति की भूमिका के साथ

खड़े हुए। और वह न केवल नए सदन भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया बल्कि संबोधन भी किया। दिल्ली विधेयक पर नीतीश कुमार चाहते थे कि हरिवंश नारायण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के विरोध में और दिल्ली विधेयक के पक्ष में वोट करें। पर हरिवंश नारायण ने नीतीश कुमार को हैरान परेशान किया। दिल्ली विधेयक के दिन सत्र में बैठे रहे और जब वोटिंग की बारी आनेवाली थे वह सभापति की कुर्सी पर विराजमान होकर खुद को जदयू सांसद की स्थिति से दूर होकर उप सभापति की भूमिका में आ गए और पद की नैतिकता के साथ खड़े रहे।

राज्य सभा की सदस्यता नहीं समाप्त कर सकते

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यह जानते हैं कि हरिवंश नारायण अपरोक्ष रूप से ही जब तक पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के साथ खड़े वों तो उनकी राज्य सभा की सदस्यता समाप्त नही कर सकते। बहुत करते तो वह राज्यसभा के सभापति यानी उप राष्ट्रपति को उनकी सदस्यता रद्द करने को पत्र लिखते। मगर, अपने विवेक पर सभापति उस पत्र को पेंडिंग में रखकर टालते रहते। अब इनके पास एकमात्र विकल्प यही है कि देश में बने नये गठबंधन इंडिया की सरकार बने और तब नीतीश कुमार पत्र लिखकर हरिवंश नारायण की सदस्यता रद्द करने की मांग करें। सो, यह कह सकते हैं कि नीतीश कुमार ने अपनी खुन्नस निकालकर अपने दिल को सकूं पहुंचाने की कोशिश की है। परंतु वह अपनी विवशता नहीं छुपा सके।

एनडीए से करीब हो रहे हरिवंश

महागठबंधन के साथ बिहार में सरकार बनाने और देश स्तर पर इंडिया गठबंधन बनाने के दौरान उप सभापति हरिवंश नारायण नीतीश कुमार से दूरी तो बनाया ही साथ ही उनके बारे में यह कहा जाने लगा कि वह पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के फोल्ड में चले गए हैं। उनके इस आचरण के बाद भी वह जदयू के सदस्य बने रहे। ऐसा तब तक रहता है जब तक हरिवंश नारायण को पार्टी की सदस्यता और राज्य सभा की सदस्यता से भी वंचित कर देते। पर ऐसा नीतीश कुमार नहीं कर सकते थे ये भी हरिवंश नारायण समझते थे। और वह इसलिए भी अपने मन से और आराम से अपनी पारी खेल रहे थे। दरअसल, नीतीश कुमार चाह कर भी जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को पार्टी की सदस्यता रद्द करने को नहीं कह सकते थे। ऐसा इसलिए कि नीतीश कुमार जानते थे कि पार्टी की सदस्यता रद्द कर देने के बाद हरिवंश नारायण और भी निरंकुश हो जाएंगे। इसलिए पार्टी के बंधन से बांध कर रख सकते हैं। उनके पावर को समाप्त कर एक आम सदस्य की तरह रहने दें। मन करे तो वे स्वयं छोड़कर चले जाएं।

कुश्ती बहाना, मोदी पर निशाना

» भारतीय कुश्ती महासंघ के निलबंन पर सियासत

» टीएमसी ने देश को शर्मिंदा करने वाला फैसला बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारत को कुश्ती में देश में तो झेलना ही पड़ रहा अब विश्व में भी रुसवा होना पड़ या है क्योंकि विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने समय पर चुनाव नहीं कराने को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ को गुरुवार (24 अगस्त) को निलंबित कर दिया। इस फैसले के बाद ये देश में सियासत भी गरमा गई है। इस पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये देश के लिए शर्मिंदगी है।

दरअसल विश्व कुश्ती संघ (यूनाइडेट वर्ल्ड रेसलिंग) ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है। भारतीय कुश्ती संघ में चुनाव नहीं होने की वजह से यह कार्रवाई की गई है। कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द होने के चलते आगामी विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवान भारत के झंडे के तले नहीं खेलेंगे। डब्ल्यूएफआई के चुनाव सात मई को होने थे लेकिन खेल मंत्रालय ने इसे अमान्य करार दे दिया। चुनाव अधिकारी ने फिर डब्ल्यूएफआई का इलेक्शन 11 जुलाई को कराने का फैसला लिया,

लेकिन असम कुश्ती संघ गुवाहाटी हाई कोर्ट चला गया। फिर कोर्ट ने चुनाव पर रोक लगा दी। आंध्र कुश्ती संघ ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। अदालत ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। चुनाव अधिकारी ने इसके बाद कहा कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव 12 अगस्त को होंगे, लेकिन पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा कुश्ती संघ की याचिका पर रोक लगा दी।

बृजभूषण शरण सिंह प्रकरण ने कराई किरकिरी

बहुत से लोगों के कहा है महिला पहलवानों की धरना प्रदर्शन वाली घटना को भी विश्व की संस्था गंभीरता से लिया है। ज्ञात हो कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का कार्यकाल काफी पहले ही खत्म हो चुका है। इसके बाद कुश्ती संघ में चुनाव कराने के कई प्रयास किए गए और सुप्रीम कोर्ट ने कई बार चुनाव की तारीखें तय की, लेकिन अलग-अलग हाईकोर्ट अलग-अलग राज्य के कुश्ती संघों की याचिका के आधार पर चुनाव में रोक लगाते रहे हैं। इसी वजह से अब तक कुश्ती संघ के चुनाव नहीं हो पाए हैं। भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव कई बार स्थगित हो चुके हैं। कई राज्यों के कुश्ती संघ चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं और उनकी याचिका पर कई बार कुश्ती संघ के चुनाव पर रोक लग चुकी है। इसी वजह से विश्व कुश्ती संघ ने भारतीय कुश्ती संघ की सदस्यता रद्द कर दी है।

केंद्र सरकार ने दिखाया अहंकारी रूप : ममता

तृणमूल कांग्रेस की चीफ (बनर्जी ने कहा कि मैं यह जानकर स्तब्ध हूं कि यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया है। यह पूरे देश के लिए बेहद शर्मिंदगी की बात है। केंद्र सरकार ने शर्मनाक रूप से अहंकारी होकर और हमारी पहलवान बहनों की दुर्दशा के प्रति लापरवाही बरतकर उन्हें निराश किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और बीजेपी हमारी बहनों को मिसोजिनी और पुरुष वर्चस्व से परेशान करते रहे हैं। भारत को उन लोगों के खिलाफ खड़ा होना चाहिए और उन्हें दंडित करना चाहिए जिनमें कोई नैतिक संवेदना नहीं बची। हिसाब-किताब के दिन अब ज्यादा दूर नहीं है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हिमाचल में बढ़ रहे भूस्खलन बड़े खतरे का संकेत

हिमाचल में भूस्खलन से मौतों का सिलसिला जारी। अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। जो आसमानी आफत है, उसने सबको डरा दिया है। अब नीति नियंताओं को यह पूरी गंभीरता सोचना होगा कि ऐसा क्यों हो रहा है। प्रकृति की विनाशलीला को राकेने के लिए उसके साथ छेड़छाड़ रोकनी पड़ेगी। अब नहीं चेते तो इससे भी बड़ी तबाही मचेगी और मानव इतिहास समाप्त हो जाएगा। पूरे प्रक्रम को दो हिस्सों में बांटकर बेहतर तरीके से समझा जा सकता है, पहली बात ये है कि पूरी दुनिया में ऐसा कोई भी देश नहीं बचा होगा, जहां आज ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज का असर नहीं हो रहा है, पिछले एक दशक से पूरी दुनिया में स्थिति और बिगड़ते ही गई है, जो कुछ भी हो रहा है, उसका एक बहुत बड़ा कारण पृथ्वी का तापक्रम का बढ़ना है। अभी जुलाई को दुनिया भर में सबसे गर्म महीना माना गया था, ये भी माना गया है कि पृथ्वी का औसतन तापक्रम करीब 14 डिग्री सेंटीग्रेड होना चाहिए था, वो 17 तक पहुंच गया था, इसका न सिर्फ लैंड एरिया पर बल्कि समुद्र पर भी बहुत असर पड़ता है, इसे सरल तरीके से ऐसे समझा जा सकता है कि अगर पृथ्वी का तापमान एक डिग्री सेंटीग्रेड बढ़ता है, तो 70 प्रतिशत एटमॉस्फियर की पानी को पकड़ने की क्षमता बढ़ जाती है. मतलब जो वायु प्रदूषण होगा, वो ज्यादा हो जाएगा। उससे अंतत: ये स्वीकारना ही पड़ेगा कि जरा सा भी तापमान कम हुआ तो ये बरसेगा ही और बारिश ज्यादा होगी।

रिपोर्ट हमेशा ये कहते रही है कि जब कभी भी इस तरह की घटनाएं होंगी, तो उसका पहला और बड़ा असर पहाड़ों पर पड़ेगा और हिमालय उसके लिए सबसे मुफीद जगह है, एक तो ये बात है जो हमारी समझ में आनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश में अंधाधुंध विकास के तरीके अपनाए हैं, ख़ास तौर से कंस्ट्रक्शन के दृष्टिकोण से अपने शहरों को इस तरह से बना लिया, गांव में भी इस तरह से ढांचागत विकास किया जिसमें वैज्ञानिक तकनीक था, वो समझ गायब हो चुकी है, जिसको प्रकृति और पर्यावरण से जोड़ कर देखा जा सकता है। जब बहुत ज्यादा बारिश होगी, तब किसी भी तरह की मिट्टी होगी, तो उस पर सीधा असर पड़ेगा। यही अबकी बार हिमाचल को झेलना पड़ा है, उत्तराखंड में भी इस तरह की बारिश का असर पड़ा हो,उत्तराखंड से भी तमाम तरह की ऐसी खबरें आई, लेकिन जहां विकास कार्य ज्यादा और गहरा था..यानी हिमाचल प्रदेश, जिसको हम आदर्श भी मानते रहे, वहां आज पूरी अर्थव्यवस्था तबाह हो गई। बड़ी समझ इस बात की बनानी चाहिए कि हमारी जान है, हमारा जीवन है, हमें ही बड़ा कदम उठाते हुए सूझबूझ बनानी पड़ेगी कि आने वाली परिस्थितियों को हम कैसे झेलेंगे। इस तरह के हालात से बचने की जहां तक बात है तो हमे हिमालय के क्षेत्रों की संवेदनशीलता के हिसाब से कार्य करना होगा।

“ पूरे प्रक्रम को दो हिस्सों में बांटकर बेहतर तरीके से समझा जा सकता है, पहली बात ये है कि पूरी दुनिया में ऐसा कोई भी देश नहीं बचा होगा, जहां आज ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज का असर नहीं हो रहा है, पिछले एक दशक से पूरी दुनिया में स्थिति और बिगड़ते ही गई है, जो कुछ भी हो रहा है, उसका एक बहुत बड़ा कारण पृथ्वी का तापक्रम का बढ़ना है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अनंत संभावनाओं के द्वार खोलेगा चंद्रयान

डॉ. संजय वर्मा

चांदी-सी चमक बिखेरने वाले चंद्रमा को छूने की हसरत हम इंसानों में सदियों से रही है। विज्ञान और अंतरिक्ष संबंधी जानकारियों ने इन आकांक्षाओं को तब नए पंख दिए, जब पता चला कि स्पेस की चारदीवारी पार कर चंद्रमा को छुआ जा सकता है। उस तक यान पहुंचाए जा सकते हैं, उसकी जमीन पर इंसानों को उतारा जा सकता है। पर ये दोनों लक्ष्य आज से करीब साढ़े पांच दशक पहले ही हासिल किए जा चुके थे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने 20 जुलाई, 1969 से चंद्रमा पर उतरने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह सफल छह अपोलो अभियानों में कुल 12 यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के साथ खत्म हो गया था। तब दुनिया में चंद्रमा के बारे में कुछ और जानने या उस पर वैज्ञानिकों या यात्रियों को दोबारा उतारने जैसी कोई हसरत नहीं बची थी। लेकिन इक्कीसवीं सदी लगते ही दुनिया में चंद्र-होड़ का नया सिलसिला शुरू हो गया।

इसका एक श्रेय भारत को दिया जा सकता है। पहली बार ऐसा तब हुआ, जब अक्टूबर 2008 को प्रक्षेपित उसके चंद्रयान-1 ने चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने के बाद ऐसे कई प्रेक्षण दिए जिनसे दुनिया में चांद को फिर पाने-छूने की ललक जग गई। दूसरी बार अब, जबकि भारतीय स्पेस एजेंसी- इसरो का नया मून मिशन चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा। यह बेशक एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ ही अब यह सवाल फिर उठ रहा है कि क्या वाकई हम चांद से कुछ नया हासिल करने जा रहे हैं। हाल के वर्षों में भारत ही नहीं, पड़ोसी चीन, जापान, इस्राइल समेत कई देश चंद्रमा के लिए या तो अपने मिशन भेज चुके हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। सबसे उल्लेखनीय तो अमेरिकी स्पेस एजेंसी- नासा की योजनाएं हैं। नासा एक बार फिर इंसानों को चांद पर उतारने का अपना अभियान शुरू कर चुकी है। वर्ष 2024 या 2025 में उसके तीन यात्री चंद्रमा की सतह पर उतर सकते हैं। इधर, अमेरिका के चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस ने भी अपना यान लूना-25 चंद्रमा के उसी दक्षिणी ध्रुव वाले इलाके में उतारने की कोशिश की, जहां चंद्रयान-3 ने कदम रखे हैं।

1976 के 47 साल बाद रूस ने चंद्रमा पर अपना स्पेसक्राफ्ट उतारने की यह नई कोशिश की थी। इसके सहारे वह साबित करना चाहता था कि यक्रेन से सतत जारी जंग के बावजूद वह कहीं से भी कमजोर नहीं हुआ है। लेकिन इसे रूस की बदकिस्मती कहेंगे कि वह

अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को कोई सकारात्मक संदेश देने में विफल रहा। 20 अगस्त, 2023 को उसका यान चंद्रमा पर उतरने की कोशिश में नाकाम होकर क्रैश हो गया। हालांकि, भारत या कहें कि इसरो की बात है तो इसकी चंद्रमा संबंधी योजनाओं को भी एक झटका वर्ष 2019 में लग चुका है। सितंबर, 2019 में भेजे गए चंद्रयान-2 के लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग नहीं हो पाई थी। इस कारण वह मिशन नाकाम हो गया। लेकिन इससे भारत के हौसले पस्त नहीं हुए। जो मकसद चंद्रयान-2 के थे, उनसे आगे बढ़कर चंद्रयान-3 को बेहद सस्ते में तैयार कर लॉन्च किया गया। अब इसकी कामयाब लैंडिंग के बाद उम्मीद है कि यह मिशन चंद्रयान-2 के अधूरे कार्यों को पूरा करेगा। इससे चंद्रमा संबंधी उन अनुसंधानों व योजनाओं को गति मिलेगी, जिन्हें लेकर पृथ्वी का सबसे नजदीकी खगोलीय पिंड विश्व बिरादरी के आकर्षण का नया केंद्र बना हुआ है। पर बीते पांच दशकों में ऐसा क्या हुआ है जो चंद्रमा पर दुनिया का फोकस बढ़ गया है। असल में, दुनिया के वैज्ञानिकों की नजर अब चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर हमेशा अंधेरे में दिखने वाले इसके क्रेटर्स (गड्ढों) में पानी जमा हो सकता है। इस पानी का इस्तेमाल भविष्य में रॉकेट ईंधन के रूप में किया जा सकता है। माना जा रहा है कि चंद्रमा के इस हिस्से में मिलने वाला पानी सौरमंडल के विभिन्न हिस्सों में भेजे जाने वाले अभियानों के रॉकेटों के लिए ईंधन उपलब्ध कराने का जरिया बन सकता है। नासा का आकलन है कि चंद्रमा पर 60 करोड़ टन पानी जमी हुई बर्फ के रूप में मौजूद है।

चंद्रमा पर मौजूद पानी को विघटित करके उससे मिलने वाली हाइड्रोजन का इस्तेमाल दूसरे ग्रहों को जाने वाले रॉकेटों के ईंधन के रूप में किया जा सकता है। पानी से बना रॉकेट फ्यूल तब ज्यादा काम आ सकता है, जब सुदूर अंतरिक्ष यात्राओं के लिए चंद्रमा को एक पड़ाव की तरह इस्तेमाल किया जाने लगेगा। पृथ्वी से प्रक्षेपित होने वाले रॉकेटों की अधिकतम ऊर्जा इस ग्रह के वायुमंडल और गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने में ही खर्च हो जाती है। ऐसी स्थिति में चंद्रमा के रिफ्यूलिंग स्टेशन अंतरिक्ष यानों के रॉकेटों को सौरमंडल के ही दूसरे ग्रहों तक पहुंचाने लायक ईंधन दे सके तो करिश्मा अंतरिक्ष के अब तक के प्रेक्षणों को बदलने का चमत्कार कर सकता है। भारत के चंद्रयान समेत अन्य मिशनों से वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि चंद्रमा की सतह के अंदर पानी के विशाल भंडार हैं।

सेना के साये में चुनाव की ओर पाकिस्तान

जी. पार्थसारथी

अब जबकि पाकिस्तान आगामी राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी में लगा है, नवनियुक्त सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने आनन-फानन में ऐसा पक्का इंतजाम कर डाला है कि लोकप्रिय क्रिकेटर से राजनेता और फिर प्रधानमंत्री बने इमरान खान चुनाव में भाग न ले सकें। इसके वास्ते गिरफ्तारी उपरांत उन्हें सजा और जेल करवा दी। इमरान के प्रति जनरल मुनीर की चिढ़ काफी पुरानी है। पिछले सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा ने उन्हें आईएसआई मुखिया का प्रतिष्ठित पद देने का प्रस्ताव किया था लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान चूंकि अपने चहेते ले. जनरल फैज हमीद को बैठाना चाहते थे इसलिए उन्होंने जनरल बाजवा का फैसला उलटकर ले. जनरल फैज हमीद को आईएसआई प्रमुख बना डाला। इसलिए यह केवल वक्त की ही बात थी कि जनरल बाजवा इमरान खान की प्रधानमंत्री पद से विदाई सुनिश्चित करवा देते, लिहाजा संसद में बहुमत न होने के बाद इमरान को इस्तीफा देना पड़ा।

इसके बाद जनरल बाजवा ने नवम्बर, 2022 में सेवानिवृत्ति उपरांत अपने खासमखास ले. जनरल असीम मुनीर को शाहबाज शरीफ सरकार से सेनाध्यक्ष बनवा दिया। यह जनरल बाजवा ही थे, जिन्होंने भारत से पर्दे के पीछे वार्ताओं की राह खुली रखी। इसी बीच शाहबाज शरीफ और उनके वित्त मंत्री इशाक डार के अथक प्रयासों ने पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से राहत प्राप्ति हेतु बाइडेन प्रशासन की सिफारिशें अर्जित की। तत्पश्चात सऊदी अरब और यूएई ने आर्थिक मदद देने का अपना वादा निभाया। हालांकि, पाकिस्तान अभी भी 'खैरात का अंतर्राष्ट्रीय कटोरा' बना हुआ है, जिसका गुजारा बड़े-बड़े विदेशी चंदे पाकर चल रहा है। मजेदार यह कि यह विदेशी मदद पाने के पीछे एक बड़ी वजह है, यूक्रेन तक पश्चिमी हथियार पहुंचाए जाने में पाकिस्तान की भागीदारी। अमेरिकी प्रशासन ने इमरान खान के प्रति अपनी नापसंदगी कभी नहीं छिपायी, खासकर जब उन्होंने यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई से ऐन पहले बहुप्रचारित मास्को यात्रा में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करना चुना।

इस दौरान, पाकिस्तान की संवैधानिक रीति के मुताबिक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। विपक्ष के नेता को साथ लेकर शाहबाज शरीफ ने बलोचिस्तान से 2018 में चुनकर आए और काफी पढ़े-लिखे पश्तून सीनेटर अनवर-उल-हक को अगले चुनाव तक अंतरिम प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया। वे ककड़ समुदाय से हैं और यह बलोचिस्तान के उन चंद कबीलों में से एक है, जिसके रिश्ते पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान से मधुर रहे हैं। यह एकदम स्पष्ट है कि इन परिस्थितियों में, अंतरिम सरकार बेझिझक सेनाध्यक्ष मुनीर की इच्छाओं का पालन करेगी। इस बीच अमेरिका को खुश रखने के लिए पाकिस्तान यूक्रेन तक हथियार पहुंचाने में लगातार साथ निभा रहा है। यह देखना बाकी है कि क्या रूस पाकिस्तान को घटी दरों पर तेल आपूर्ति जारी रखेगा। अपने उस्ताद जनरल बाजवा के बरअक्स, जो कि भारत को लेकर अधिक दमगजे नहीं मारते थे, मौजूदा सेनाध्यक्ष असीम मुनीर ने भारत को 'क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा' बताया है, और नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से कार्रवाई करने मांग भी की है। मुनीर के उक्त शब्द 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के अवसर पर दिए भाषण के हैं।

उम्मीद है, वे अपने पूर्ववर्तियों, जनरल परवेज मुशर्रफ और जनरल बाजवा की लीक पर चलते हुए आतंकवाद को हवा देने से परहेज़ रखना चाहेंगे। भारत अब अनेक पड़ोसी मुल्कों से व्यापार में लेन-देन रुपये में करने पर काम कर रहा है। यदि पाकिस्तान ने मौजूदा नीतियां कायम रखीं तो वह दक्षिण एशिया में और ज्यादा अलग-थलग पड़ जाएगा, यह बात रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय और इस्लामाबाद में बैठी सरकार समझे। पाकिस्तान के 'सदाबहार दोस्त' चीन का विदेशी मुद्रा भंडार 3176.5 बिलियन डॉलर है और वह चाहता तो अपने 'सदाबहार मित्र' पाकिस्तान की जरूरतों के लिए इसमें से 0.01 फीसदी मदद कर सकता था। जनरल मुनीर कोई पहले सेनाध्यक्ष नहीं होंगे जिन्हें अपने नेतृत्व को राजनीतिक प्रतिरोध की चिंता करनी पड़ेगी। न केवल उन्हें लोगों के रोष का बल्कि खुद सेना के अंदर इमरान समर्थक गुट का ख्याल रखते हुए सावधान रहना पड़ेगा। उनका मुख्य ध्यान पहले-पहल उन चुनौतियों से निपटने पर केंद्रित रहेगा जो इमरान खान को जेल में डालने पर बनी हैं।

कोई शक नहीं इमरान खान को जनता के बड़े तबके की हिमायत हासिल है। फिर भी, पैसे के लालच या दबावों के कारण अगर उनकी पार्टी के नेता यदि उनके विरोधियों से जा मिलते हैं, तो इमरान खान के जनाधार में सेंध लगेगी। वित्तीय अनियमितताओं के अपराध में सजा होने के बाद इमरान खान सलाखों के पीछे हैं। इतना जरूर है कि जिस ढंग से उन्हें हटाया गया उसको लेकर लोगों में खासा रोष है। पाकिस्तान की वर्तमान अस्थायी सरकार को अमेरिका और उसके सहयोगियों का समर्थन रहेगा। उम्मीद है कि पाकिस्तान सैन्य प्रतिष्ठान के जहन में यह बात रहेगी कि जहां भारत उसके अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देगा, वहीं पाकिस्तानी सेना प्रायोजित आतंकवाद के जरिए भड़काने पर इतना सामर्थ्य और संसाधन रखती है कि प्रतिक्रिया तगड़ी रहेगी। पाकिस्तानी सेना फिलहाल देश के राष्ट्रीय जनजीवन में निरंतर हावी रहने और आगामी राष्ट्रीय चुनाव का परिणाम निर्णायक रूप से ढालने की जुगत में जमीन तैयार करने मे व्यस्त है।

30-31 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व है। रक्षाबंधन भाई और बहन से जुड़ा सबसे खास पर्व है। रक्षाबंधन के मौके पर बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती है। भाई भी बहन की रक्षा का वचन देते हैं। रक्षाबंधन के मौके पर भाई और बहन कुछ खास जगहों पर जाकर त्योहार को अधिक उत्साह से मना सकते हैं। हिंदू धर्म के इस खास पर्व को मनाने के लिए कुछ मंदिर भारत में मौजूद हैं, जहां राखी के पर्व का विशेष महत्व है। रक्षाबंधन के मौके पर इन मंदिरों में भाई और बहन जा सकते हैं और भगवान के सामने राखी बांधकर त्योहार मना सकते हैं। रक्षाबंधन के मौके पर इन मंदिरों के दर्शन करें।

रक्षाबंधन

इन मंदिरों में भाई-बहन एक साथ करें पूजा

भैया बहिनी गांव, बिहार

बिहार के सिवान में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के प्रतीक के तौर पर एक मंदिर है। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर भीखा बांध के पास भैया बहनी गांव है। इस जगह पर 500 सालों से एक भाई-बहन की पूजा की जाती है। भाई-बहन ने यहां जिस जगह पर समाधि ली थी, वहां दो वटवृक्ष निकल आएं हैं, जिनकी जड़ों का पता किसी को नहीं है। मान्यता है कि दोनों वटवृक्ष एक दूसरे की रक्षा करते हैं। यहां पर रक्षाबंधन के मौके पर भाई-बहन आते हैं और वट वृक्ष की परिक्रमा के साथ ही इसके नीचे रक्षा सूत्र बांधते हैं।

बिजनौर में भाई-बहन का मंदिर

बिजनौर में चूड़ियाखेड़ा के जंगल में भाई-बहन का एक प्राचीन मंदिर है। कहा जाता है कि सतयुग में एक भाई अपनी बहन को ससुराल से पैदल लेकर लौट रहा था, इस दौरान डाकुओं ने दोनों को जबरन रोककर महिला के साथ बदसलूकी और अभद्र व्यवहार किया। इस दौरान भाई-बहन ने डाकुओं से रक्षा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस पर भाई-बहन डाकुओं से बचने के लिए पत्थर की प्रतिमा में परिवर्तित हो गए। आज भी उनकी प्रतिमा देवी देवताओं के रूप में विराजमान है। भैयादूज और रक्षाबंधन के पर्व पर मंदिर में भारी तादाद में मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। ऐसी मान्यता भी है कि यहां मंदिर में सच्चे मन से पूजा अर्चना करने से हमेशा भाई-बहनों के जीवन में खुशहाली और प्रगति होती रहती है।

मथुरा का यमुना धर्मराज मंदिर

मथुरा में यमराज और उनकी बहन यमुना मां को समर्पित मंदिर है। यह मंदिर मथुरा के प्रसिद्ध विश्राम घाट पर बना हुआ है। मंदिर में यमराज और उनकी बहन यमुना मां की भाई बहन के तौर पर खास पूजा होती है। मान्यता है कि भाई बहन को यमुना नदी में साथ डुबकी लगाने के साथ ही मंदिर में एक साथ दर्शन करने चाहिए।

उत्तराखंड का बंसी नारायण मंदिर

यह वंशीनारायण मंदिर चमोली जिले के उर्गम घाटी में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर मध्य हिमालय के बुग्याल क्षेत्र में स्थित है। उत्तराखंड में एक ऐसा मंदिर है, जिसके कपाट साल में एक बार ही खुलते हैं। रक्षाबंधन के मौके पर मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए खोले जाते हैं। वंशीनारायण का चमत्कारी और अनोखा मंदिर चमोली जिले में स्थित है। इस मंदिर में बहन अपने भाई को राखी बांधती हैं। मान्यता है कि भगवान विष्णु वामन अवतार से मुक्त होने के बाद सबसे पहले यहीं प्रकट हुए थे।

हंसना मना है

लड़की - ये क्या कर रहे हो? लड़की - दही जमा रहा हूं...लड़की - कब तक जमाओगे? लड़का - अगर तुम मिल जाओ, जमाना छोड़ देंगे हम...!!!

लड़की - हेलो बेबी... तुम्हारी याद आ रही थी...लड़का - अभी सैलरी नहीं आई है मेरी...लड़की - अच्छा चलो... पापा आ गए... बाय!!!

पप्पू - एक गंजे के सिर पर दो बाल थे, दोनों में प्यार हो गया... दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं, लेकिन फिर भी दोनों की शादी नहीं हो पाई... चंदू - क्यों? पप्पू क्योंकि, बाल विवाह कानूनी अपराध है...!!!

एक पुलिस वाले के घर चोरी हो रही थी...पत्नी - उठो जी, घर में चोरी हो रही है, पुलिस वाला पति - मुझे सोने दो, मैं इस वक्त ड्यूटी पर नहीं हूं...!!!

एक सरदार अपना मैरिज सर्टिफिकेट एक घंटे से देख रहा था, पी बोली - आप इतनी देर से क्या देख रहे हैं? सरदार - एक्पायरी डेट देख रहा हूं...!!!

पति - तुमसे शादी करके मुझे एक बहुत बड़ा फायदा हुआ है! पत्नी - वो क्या? पति - मुझे मेरे गुनाहों की सजा जीते जी मिल गई...!!!

कहानी | समस्याओं का बोझ

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे बच्चों को दिखाते हुए पूछा, यह क्या है? छात्रों ने उत्तर दिया, गिलास। प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, इसका वजन कितना होगा? उत्तर मिला, लगभग 100-150 ग्राम। उन्होंने फिर पूछा, अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा? छात्रों ने जवाब दिया, कुछ नहीं। अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूं तो? प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया। छात्रों ने उत्तर दिया, आपके हाथ में दर्द होने लगेगा। उन्होंने फिर प्रश्न किया, अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा? तब छात्रों ने कहा, आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं। जिससे आपको लकवा हो सकता है। प्रोफेसर ने कहा, बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा? जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं। तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। हमारा काम और पारिवारिक जीवन भी प्रभावित होने लगेगा। इसलिए सुखी जीवन के लिए आवश्यक है कि समस्याओं का बोझ अपने सिर पर हमेशा नहीं लादे रखना चाहिए। समस्याएं सोचने से नहीं हल होतीं। सोने से पहले सारे समस्यायुक्त विचारों को बाहर रख देना चाहिए। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और आप सुबह तरोताजा रहेंगें।

कहानी से शिक्षा-समस्याओं को लेकर अधिक परेशान नहीं होना चाहिए। इससे हमारा ही नुकसान ही होता है ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ - रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

मिथुन - कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

कर्क - उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह - उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कन्या - नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें।

तुला - व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक - यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु - योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मकर - लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ - हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन - किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

19 साल बाद बड़े पर्दे पर फिर इश्क लड़ायेंगे रवीना और अक्षय कुमार

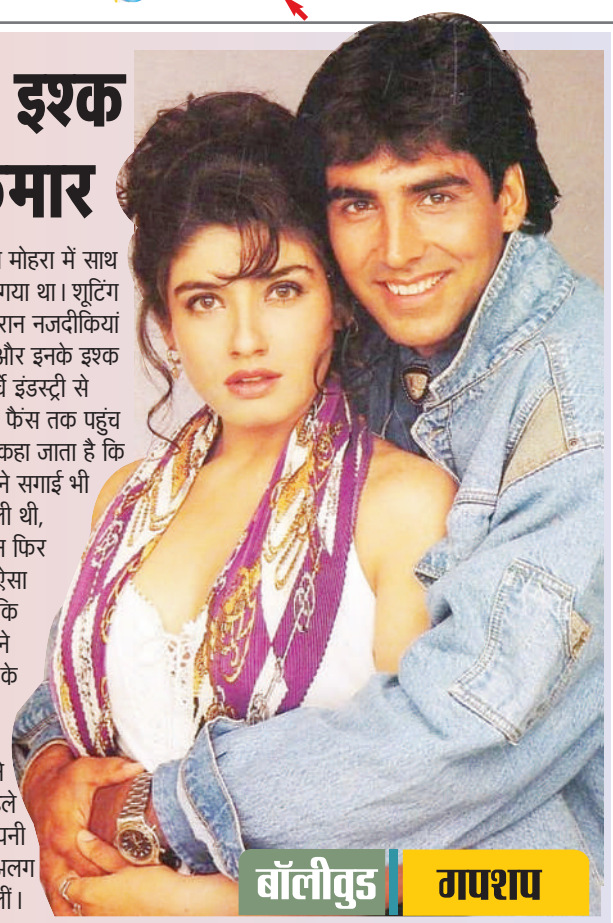

बॉलीवुड गपशप

अक्षय कुमार और रवीना टंडन की जोड़ी को 90 के दशक में दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। असल जिंदगी में दोनों एक-दूसरे का काफी नजदीक थे। इनके इश्क के चर्चे हर जगह होने लगे थे। हालांकि, अचानक दोनों के रास्ते अलग होने की खबरें आने लगी। अक्षय और रवीना के बीच ऐसी कड़वाहट घुल गई कि इन दोनों को फिर किसी फिल्म में साथ नहीं देखा गया। हालांकि, अब सालों बाद लगता है कि दोनों सारे गिले-शिकवे भुला चुके हैं और फिर साथ काम करने के लिए तैयार हो गए हैं।

हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय और रवीना 19 साल बाद फिर पर्दे पर साथ दिख सकते हैं। खबर है कि इनकी जोड़ी मोस्ट अवेटेड फिल्म वेलकम 3 में बनने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रवीना को अक्षय की वेलकम 3 में लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा जा सकता है।

आधिकारिक पुष्टि होना बाकी

हालांकि, फिलहाल इन खबरों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो 19 साल बाद अक्षय-रवीना को पर्दे पर साथ देखना फैंस के साथ एक दिलचस्प अनुभव होगा। वहीं, कहा जा रहा है कि वेलकम 3 को वेलकम टू द जंगल टाइटल दिया गया है। इस फिल्म में रवीना और अक्षय के अलावा संजय दत्त, अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी और जैकलीन फर्नांडीस जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।

सगाई की भी आई थीं खबरें

दूसरी ओर रवीना और अक्षय के रिश्ते में आई खटास पर बात करें तो इन दोनों को पहली बार 1994 में फिल्म मोहरा में साथ देखा गया था। शूटिंग के दौरान नजदीकियां बढ़ी और इनके इश्क के चर्चे इंडस्ट्री से लेकर फैंस तक पहुंच गए। कहा जाता है कि दोनों ने सगाई भी कर ली थी, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि दोनों ने शादी के मंडप तक पहुंचने से पहले ही अपनी राहें अलग कर लीं।

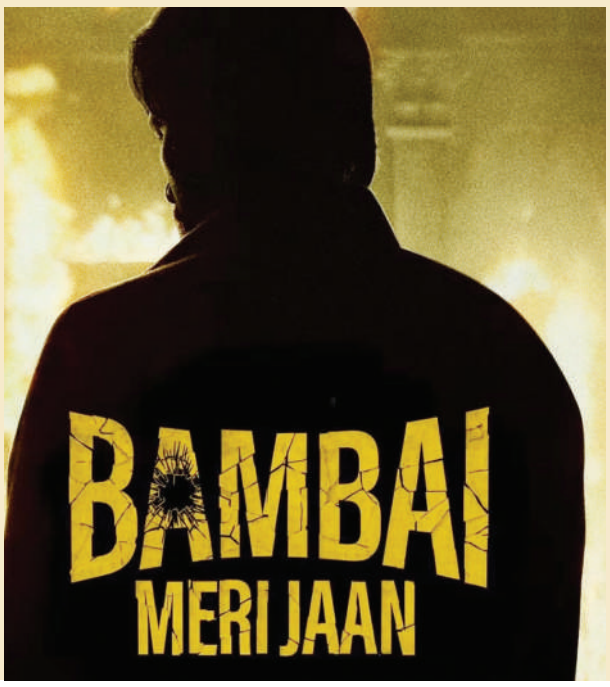

जल्द प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी 'बंबई मेरी जान'

प्राइम वीडियो की अपकमिंग क्राइम ड्रामा सीरीज़ बंबई मेरी जान का जल्द होगा प्रीमियर, के के मेनन के साथ अमायरा दस्तूर भी आएंगी नजर। कुछ दिन पहले ही टीम ने फिल्म की शूटिंग को पूरा किया है। वहीं फैंस भी सीरीज के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। सीरीज को 10 एपिसोड के साथ रिलीज किया जा रहा है। प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपनी अपकमिंग क्राइम ड्रामा, बंबई मेरी जान के जल्द ही प्रीमियर होने का एलान किया है। 10 एपिसोड की इस अमेजन ओरिजिनल सीरीज का प्रीमियर विशेष रूप से भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं और शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस क्राइम थ्रिलर में अत्यधिक बहुमुखी और प्रतिभाशाली के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य के साथ अमायरा दस्तूर भी अहम भूमिका में हैं।

बॉलीवुड मन की बात

राकेश बेदी ने हिमाचल प्रदेश के खौफनाक पलों को किया शेयर

राकेश बेदी टीवी का जाना माना नाम हैं। डेली शोप के साथ-साथ एक्टर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। हाल में ही एक्टर के साथ एक ऐसी घटना घटी, जिसने उन्हें हिलाकर रख दिया। राकेश बेदी हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड में फंस गए थे। उन्होंने अपनी आपबीती सोशल मीडिया के जरिए लोगों को बताई। राकेश बेदी ने इंस्टाग्राम पर अपना वीडियो शेयर किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि वह कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश के सोलन से वापस आ रहे थे। तभी लैंडस्लाइड में फंस गए थे, उनके सामने पूरी सड़क ब्लॉक हो गई थी। उन्होंने पत्थरों को हटाने की कोशिश की उसी दौरान उनकी एक उंगली भी टूट गई थी। वीडियो में राकेश ने कहा, आपने सुना होगा कि कैसे हिमाचल प्रदेश लैंडस्लाइड से बुरी तरह प्रभावित हैं। इतने बड़े पहाड़ नीचे आ रहे हैं। सड़कें और गलियां सब बंद हैं, बहुत सारी गाड़ियाँ पहाड़ों में फंस गई हैं। मैं दो हफ्ते पहले सोलन में एक्टिंग पर एक लेक्चर देने के लिए पहुंचा था। जब हम लौट रहे थे तो हमें बताया गया कि मेन हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से ब्लॉक हो गया है और हमें शॉर्टकट लेना चाहिए। तभी एक बड़ा पत्थर रास्ते में था, मैंने हटाने की कोशिश की तो मेरी उंगली टूट गई। राकेश 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों और 'श्रीमान श्रीमती' जैसे टीवी शो में ऑइकॉनिक रोल्स जाने जाते हैं। एक्टर ने कई फिल्मों, वेब सीरीद और टीवी शो में काम किया है। हाल ही में, राकेश विक्की कौशल और सारा अली खान स्टारर फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में भी दिखे थे। उन्होंने सनी देओल की 'गदर 2' में भी एक छोटी भूमिका निभाई है। राकेश टीवी पर पॉपुलर कॉमेडी शो 'भाभी जी घर पर हैं' और 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ चुके हैं।

भारत के इस रेलवे स्टेशन से पैदल ही जा सकते हैं विदेश

भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में रेलवे स्टेशनों की कुल संख्या करीब आठ हजार है। इनमें कई रेलवे स्टेशन अलग-अलग वजहों से प्रसिद्ध हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि भारत का आखिर रेलवे स्टेशन कौन सा है? हालांकि इसको लेकर कभी भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कुछ रेलवे स्टेशन देश की सीमा के पास स्थित हैं। इन रेलवे स्टेशनों से आसानी से विदेश जाया जा सकता है। भारत का एक रेलवे स्टेशन ऐसा है, जहां से आप पैदल भी विदेश जा सकते हैं। बिहार में एक रेलवे स्टेशन स्थित है, जिससे नेपाल काफी नजदीक है। यहां से आप उतरकर पैदल भी विदेश की यात्रा कर सकते हैं। पश्चिम बंगाल में भी एक इसी तरह का रेलवे स्टेशन है। आइए जानते हैं कि आखिर यह रेलवे स्टेशन बिहार में कहां पर स्थित है?

बिहार के अररिया जिले में यह रेलवे स्टेशन मौजूद है, जिसका नाम जोगबनी है। इसको देश के आखिरी स्टेशन के रूप में माना जाता है। इस रेलवे स्टेशन से नेपाल की दूरी नाम मात्र की है। यह इतना पास है कि यहां से पैदल ही नेपाल जा सकते हैं। सबसे खास बात यह है कि भारत के लोगों को नेपाल जाने के लिए वीजा या पासपोर्ट की भी जरूरत नहीं पड़ती है। इस स्टेशन से आपके हवाई जहाज का खर्च भी बच सकता है। पश्चिम बंगाल में भी एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जिसे देश के आखिरी स्टेशन के रूप में देखा जाता है। दक्षिण भारत में देश की समुद्री सीमा की शुरुआत जहां से होती है, वहां के एक स्टेशन को भी देश का आखिरी स्टेशन माना जाता है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हबीबपुर इलाके में आखिरी सीमांत रेलवे स्टेशन है जिसका नाम सिंहाबाद है। किसी समय कोलकाता और ढाका के बीच यह स्टेशन सम्पर्क स्थापित करने का काम करता था। यहां से होकर कई यात्री ट्रेनें जाती थीं, लेकिन वर्तमान में यह स्टेशन वीरान पड़ा है। यहां पर कोई यात्री ट्रेन नहीं रुकती है, जिसकी वजह से यह जगह एक वीरान है। सिर्फ मालगाड़ियों के ट्रांजिट के लिए इस रेलवे स्टेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह रेलवे स्टेशन अंग्रेजों के जमाने का है।

अजब-गजब एक ऐसी जगह न सड़क है न ही हवा का रास्ता

त्रिस्तां दा कुन्हा : जहां पहुंचकर आप कर सकते हैं अपार शांति का अनुभव

हम सभी के साथ ऐसा होता है कि कई बार हम सोचते हैं कि शोरगुल वाली जगह से बचकर कहीं ऐसी जगह चलें, जहां सिर्फ और सिर्फ शांति हो। हालांकि ये सन्नाटा भी ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं होता है और इंसान चाहता है कि वो कम से कम जब चाहे तब शांति और सुकून में जा सके लेकिन वापस लौट भी सके। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे, जहां आप तब जा सकते हैं, जब आपका दिल पूरी तरह से दौड़भाग से भर गया हो।

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इसी धरती पर एक जगह ऐसी भी है, जहां पहुंचकर आप अपार शांति का अनुभव कर सकते हैं क्योंकि वहां से आने-जाने के लिए आपको सोचना पड़ जाएगा। ये जगह दक्षिण अटलांटिक सागर में बना हुआ एक आइलैंड है, जिसका नाम त्रिस्तां दा कुन्हा है। ये दक्षिण अफ्रीका से 2700 किलोमीटर दूर और दक्षिण अमेरिका से 3800 किलोमीटर की दूरी पर है। त्रिस्तां दा कुन्हा द्वीप से 2100 किलोमीटर तक कुछ भी नहीं है। इसके बाद सेंट हेलेना नाम का एक और ब्रिटिश द्वीप है- जहां स्थाई तौर पर लोग रहते हैं। Tristan da Cunha कुल 11 किलोमीटर के एरिया में बसा

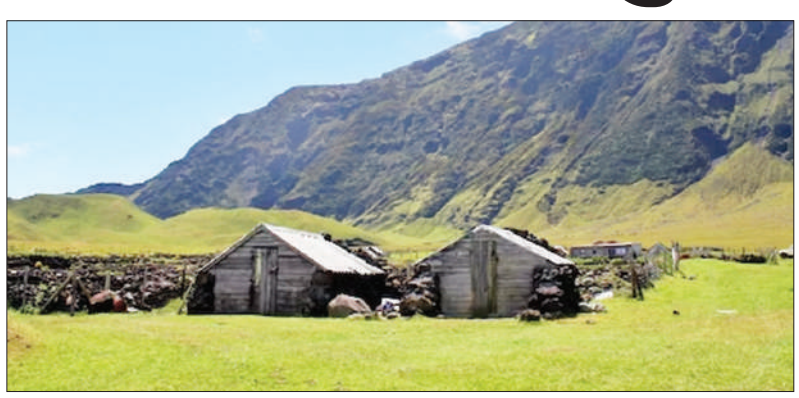

हुआ है, जिसमें 234 ब्रिटिश नागरिक रहते हैं। आइलैंड की वेबसाइट बताती है इसे सेवेन सीज़ का एडिनबर्ग कहा जाता है। यहां आने के लिए आइलैंड काउंसिल का अप्रूवल ज़रूरी है। यहां पहुंचने के लिए कोई हवाई या सड़क मार्ग नहीं है, बल्कि आपको केपटाउन से नाव के ज़रिये यहां आना होगा। सभी रास्तों से इसमें एक हफ्ते का वक्त लग जाता है।

बताया जाता है कि त्रिस्तां दा कुन्हा को पहली बार साल 1506 में त्रिस्ताओ दा कुन्हा नाम के पुर्तगाली यात्री ने ढूंढा था। उन्हीं के नाम पर द्वीप का नामकरण किया गया। यहां पर पहली बार परमानेंट रहने के लिए 1810 में जोनाथन लैंबर्ट नाम का शख्स आया था, जो लोगों के साथ यहां रहने लगा। 1816 में ये द्वीप ब्रिटेन के कब्जे में आ गया। यहां 1867 में प्रिंस एल्फ्रेड आए थे, जिनके सम्मान में इसे एडिनबर्ग ऑफ सेवेन सीज कहा जाने लगा। यहां यूके का ही पोस्टकोड चलता है, ताकि सामान आसानी से लाया-ले जाया जा सके।

विदेशी ताकतों की साजिश का पर्दाफाश, अडानी समेत कुछ उद्योगपतियों को निशाना बनाने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रमुख कॉर्पोरेट ग्रुप अडानी समूह पर अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग द्वारा अपनी रिपोर्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाने के बाद अब ऐसा लगता है कि एक बार फिर एक विदेशी संगठन द्वारा भारत के कुछ अन्य कॉर्पोरेट घरानों के बारे में खुलासा करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) यानी कि संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट देश के कुछ औद्योगिक घरानों के बारे में कुछ बड़े खुलासे कर सकता है। इस संगठन को जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स फंड जैसी इकाइयां वित्तपोषित करती हैं।

सोरोस समर्थित संगठन ओसीसीआरपी कर सकता है बड़ा खुलासा

स्वयं को एक खोजी रिपोर्टिंग मंच कहने वाला ओसीसीआरपी औद्योगिक घराने के बारे में रिपोर्ट या लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित कर सकता है। इसका गठन यूरोप, अफ्रीका, एशिया और लातिनी अमेरिका में फैले 24 गैर-लाभकारी जांच केंद्रों ने किया है। संगठन को ई-मेल भेजकर सवाल पूछे गए, लेकिन उनकी तरफ से फिलहाल कोई जवाब नहीं आया है। वर्ष 2006 में स्थापित ओसीसीआरपी संगठित अपराध पर रिपोर्टिंग में विशेषज्ञता का दावा करता है।

यह मीडिया घरानों के साथ साझेदारी के जरिये रिपोर्ट व लेखों को प्रकाशित करता है। संगठन की वेबसाइट के अनुसार, जॉर्ज सोरोस की इकाई ओपन सोसायटी फाउंडेशन उसे अनुदान देती है। सोरोस दुनियाभर में बदलावकारी विचारों को आगे बढ़ाने के लिये वित्त उपलब्ध कराने में आगे रहे हैं। जिन अन्य संगठनों से उसे अनुदान मिलता है, उसमें फोर्ड फाउंडेशन, रॉकफेलर ब्रदर्स फंड और ओक फाउंडेशन शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि खुलासे में संबंधित कॉरपोरेट घराने के शेयरों में निवेश करने वालों में विदेशी कोष के शामिल होने की बात हो सकती है।

अडानी पर हमले का सुनियोजित प्रयास

वहीं अगर ओसीसीआरपी के बारे में बात करें तो ऐसा लगता है कि यह हिंडनबर्ग की तरह अडानी पर हमला करने का एक सुनियोजित प्रयास है। इंटेलिजेंस ने इसको रिपोर्ट दिया है और हिंडनबर्ग पार्ट 2 का खुलासा किया है। जो कि एक एक असफल प्रयास है। वहीं ऐसा लगता है कि जिन लोगों को शुरू में हिंडनबर्ग रिपोर्ट से फायदा हुआ था, उन्होंने फिर से इसी तरह के हमलों की योजना बनाई है। जबकि हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निवेशकों को 30 हजार करोड़ का नुकसान हुआ, वो आम जनता का नुकसान था। संभव है कि दूसरे हमले यानी कि अगली रिपोर्ट का समय 29 अगस्त है, जो सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और सेबी की रिपोर्ट सबमिट करने का दिन है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले और सेबी की रिपोर्ट के माहौल को खराब करने के लिए ये प्लानिंग की जा रही है। इस पूरे एजेंडे में इंटरनेशनल लॉबी के अलावा भारत से भी कई एजेंट हैं जो इस हमले का समर्थन कर रहे हैं।

कॉर्पोरेट घराने की नहीं हुई पहचान

हालांकि, अभी तक कॉरपोरेट घराने की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। लेकिन यह कहा जा रहा है कि एजेंसियां पूंजी बाजार पर कड़ी निगरानी रख रही है। हिंडनबर्ग रिसर्च की इस साल 24 जनवरी की रिपोर्ट में अडाणी समूह पर ऑडिट में धोखाधड़ी, शेयर मूल्य में गड़बड़ी करने और कर चोरों के पनाहगाह क्षेत्रों के अनुचित उपयोग का आरोप लगाया गया था। इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, अडाणी समूह ने सभी आरोपों को आधारहीन बताते हुए उसे सिरे से खारिज कर दिया था।

फोटो: 4 पीएम

माल्यार्पण कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने हजरतगंज पहुंच कर महात्मा गांधी व डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

हादसे को दावत दे रहे बाल भिखारियों पर ध्यान देने की प्रशासन से मांग

» वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने पुलिस कमिश्नर को लिखा पत्र, उच्च न्यायालय चौराहे का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर में उच्च न्यायालय चौराहा, गोमतीनगर जिसे उमेश चंद्र श्रीवास्तव चौराहे के नाम से भी जाना जाता है। इस चौराहे पर एक संगठित गिरोह द्वारा बालक, बालिकाओं, किशोरों व किशोरियों से भीख मंगवाई जाती है। जिसके कारण चौराहे पर यातायात काफी प्रभावित होता है, जिससे इन बच्चों के साथ किसी भी तरह की दुर्घटना हो सकती है। अक्सर सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर इस मुद्दे से अवगत कराया।

अधिवक्ता मो. हैदर

अपने पत्र में अधिवक्ता ने लिखा कि सुबह 9 बजे से 11 बजे तक का समय न केवल उच्च न्यायालय में आने वाले अधिवक्ताओं के लिए अति संवेदनशील समय होता है, बल्कि उक्त मार्ग का प्रयोग करने वाले हजारों की संख्या में कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों के लिए भी अत्यंत आवश्यक होता है। इसलिए ये चौराहा अति संवेदनशील चौराहा है जिसका उपयोग उक्त अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण करते हैं एवं अपनी बारी आने पर वह तीव्र गति से वाहन चलाकर अपने कार्यालय पहुंचने का प्रयास करते हैं।

अचानक ब्रेक लगाने से हो सकता है हादसा

अधिवक्ता ने बताया कि चौराहे पर जैसे ही एक मार्ग पर हरी बत्ती जलती है तो नागरिकगण एवं वाहन चालक चौराहा पार करने हेतु उक्त मार्ग पर तेजी से वाहन चलाते हैं, लेकिन उसी समय ये बाल भिखारी वाहने के आगे आ जाते हैं। ऐसे में तेज गति से आ रहे व्यक्ति के अचानक ब्रेक लगाने से न केवल दुर्घटना होती है, बल्कि वाहन को भी नुकसान होता है। वहीं इन बच्चों को जिनसे प्रथम दृष्टया बलात् श्रम एवं बलात भीख मंगाया जाना प्रतीत होता है, उन्हें भी इस कारण जानमाल की हानि हो सकती है।

अवयस्क बालकों से भीख मंगवाना है आपराधिक कृत्य

वहीं भारतीय संविधान के अनुच्छेद-23 के अंतर्गत किसी भी बालक से बलात श्रम कराना उक्त बालक के अधिकारों का हनन है एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के अंतर्गत किसी भी अवयस्क बालक से जबरन भीख मंगवाना एक गंभीर आपराधिक कृत्य है। ऐसे में निवेदन है कि इस प्रकरण में मानव तस्करी के एंगल की जांच किया जाना भी आवश्यक प्रतीत होता है। अधिवक्ता द्वारा पहले भी इस प्रकार की शिकायत की जा चुकी है, जिस पर संज्ञान लेकर उस समय पुलिसकर्मियों द्वारा सुधारात्मक कार्यवाही भी की गई थी। लेकिन अब फिर से यही स्थिति उत्पन्न हो गई है। प्रकरण दृष्टत्र जनहित एवं इन बालकों के हित से भी पूर्ण रूप से संबंधित है। इन परिस्थितियों में महोदय से अनुरोध है कि कृपया प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत इस प्रकरण में माठ उच्च न्यायालय लखनऊ के चौराहे गोमती नगर निकट इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान) पर इन भिखारियों गैंग को चिन्हित कर कठोरतम वैधानिक कार्यवाही कर उक्त मार्ग से सुगम यातायात सुनिश्चित करें।

आप ने घोटालों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

» कैग की रिपोर्ट में हुआ कई घोटालों का खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने घोटालों के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ राजधानी लखनऊ स्थित जीपीओ पार्क सहित सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष शेखर दीक्षित के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज जीपीओ गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजकर घोटालों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। इस दौरान जिला अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने बताया सीएजी की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि द्वारका एक्सप्रेसवे का प्रोजेक्ट 18 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर की लागत के हिसाब से बनाना था, लेकिन इन्होंने 18 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर में बनने वाली सड़क को 250 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर में बनाया।

फोटो: सुमित कुमार

ये लोग रहे शामिल

प्रदर्शन में नीरा सक्सेना, राजेश पांडे, अनूप पाल, इरम रिजवी, वंशराज दुबे, ललित वाल्मीकि, रेखा चतुर्वेदी, ज्ञानेंद्र, प्रकाश वर्मा, मुन्ना खान, शहंशाह आलम, ज्ञान सिंह, पीके बाजपेई, मुकेश शुक्ला, अंकित परिहार, धमेन्द्र सिंह, प्रितपाल सिंह सलूजा, जसमीत कौर, माजिद व महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रियंका श्रीवास्तव, रानी कुमारी, सुभाषिनी मिश्रा,रितु अग्रवाल सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

इसी तरह भारत माला प्रोजेक्ट में पूरे देश में 75000 किलोमीटर की सड़क बननी थी। जिसमें एक किलोमीटर की सड़क 15 करोड रुपए में बननी थी। लेकिन उसे बढ़ाकर 25 करोड़ रुपए कर दिया। यानी 75000 किलोमीटर की सड़क में सीधे-सीधे 7.5 लाख करोड़ रुपए का घोटाले की योजना बनाई है। कैग की रिपोर्ट में अयोध्या के अंदर डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा अयोध्या डेवलपमेंट प्रोजेक्ट में करीब 19 करोड़ 73 लाख और इसी तरह तीन फोन नंबर पर 10 लाख लोगों की आयुष्मान योजना चल रही है, मध्य प्रदेश में उन 400 लोगों का इलाज चल रहा है जो मृत हैं, हरियाणा में एक समय में 4121 लोगों का कई अस्पतालों में इलाज चल रहा है। ऐसे ही मुद्दों को उठाया गया।

मधुमिता हत्याकांड: यूपी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

आरोपी अमरमणि और उनकी पत्नी मधु मणि को समय से पहले किया जा रहा रिहा

मृतका की बहन ने रिहाई पर रोक लगाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहे यूपी के चर्चित नेता अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को समय से पहले रिहा करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने आज उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर दिया है। हालांकि, इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने दोषियों की रिहाई को बरकरार रखा है।

गौरतलब है कि कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में दोषी करार दिए जाने के बाद उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमिता त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश शासन ने रिहा करने का आदेश दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके अच्छे आचरण को देखते हुए रिहा करने का आदेश दिया था।

कोर्ट ने आठ हफ्तों के अंदर मांगा जवाब

यूपी सरकार के इस फैसले पर मृतक मधुमिता शुक्ला की बहन निधि शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए आज सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया और आठ हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। निधि शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और यूपी के सीएम से उनकी रिहाई रोकने का अनुरोध करती हूं। आरटीआई आवेदनों में कहा गया है कि अमरमणि वास्तव में कभी जेल नहीं गए थे। वह कुछ भी कर सकते हैं। अगर उन्होंने मेरी हत्या कर दी तो इस केस की पैरवी करने वाला कोई नहीं बचेगा? उन्होंने कहा कि यूपी में कैसी कानून-व्यवस्था है?

20 साल पुराना है मामला

बता दें कि करीब 20 वर्ष पहले राजधानी की पेपरमिल कॉलोनी में रहने वाली कवियत्री मधुमिता शुक्ला की हत्या के मामले की जांच सीबीआई ने की थी। सीबीआई ने अपनी जांच में अमरमणि और मधुमणि को दोषी करार देते हुए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। बाद में इस मामले का मुकदमा देहरादून स्थानांतरित कर दिया गया था। दोनों जेल में बीते 20 वर्ष एक माह और 19 दिन से थे। उनकी आयु, जेल में बिताई गई सजा की अवधि और अच्छे जेल आचरण के दृष्टिगत बाकी बची हुई सजा को माफ कर दिया गया है। अमरमणि और उनकी पत्नी मधुमणि को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिहा किया गया है। दरअसल, कोर्ट ने जेल में अच्छा आचरण करने वाले कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया था, जिसके बाद अमरमणि और उनकी पत्नी ने दया याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने दोनों को रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन इसमें देरी होने लगी। इस पर अमरमणि ने अवमानना का वाद दाखिल कर दिया, जिसके बाद दोनो को रिहा करने का आदेश शासन ने जारी कर दिया।

शिवपाल यादव ने किया घोसी विस. उपचुनाव में सपा की जीत का दावा

» बोले- अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार भाजपा की है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा और भाजपा में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। इस चुनाव को लेकर दोनों दलों व उनके सहयोगियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और एक दूसरे पर हमला बोलने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी क्रम में आज सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने प्रेस वार्ता कर घोसी में उपचुनाव में भारी बहुमत से जीत का दावा किया है।

बात करते हुए शिवपाल यादव ने हाल ही में एनडीए में शामिल हुए ओपी राजभर और भाजपा का दामन थामने वाले विधायक दारा सिंह के खिलाफ जमकर हमला बोला। शिवपाल यादव ने अपने पुराने साथी दारा सिंह चौहान और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को दल बदलू बताया। शिवपाल ने ओपी राजभर के बड़बोलेपन पर और आए दिन सपा पर निशाना साधने को लेकर बोलते हुए कहा कि वह कभी भी कहीं भी किसी को कुछ भी बोल सकते हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त

शिवपाल यादव ने प्रदेश में कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, बिजली, विकास, सड़क सभी व्यवस्था को ध्वस्त बताया। शिवपाल यादव ने कहा कि जो भी उनको अपने पार्टी जनों से जानकारी मिली है, उसके हिसाब से सपा घोसी उपचुनाव में भारी मतों से जीत रही है। शिवपाल यादव ने कहा कि सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह जुझारू समाजवादी नेता रहे हैं और हमेशा से उन्होंने संघर्ष किया है, उनके ऊपर जो भी आरोप है वह राजनीति से प्रेरित है।

अब असम में होगी मणिपुर हिंसा की सुनवाई

» सुप्रीम कोर्ट ने पड़ोसी राज्य को सौंपे मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा से जुड़े जिन मामलों की जांच सीबीआई कर रही है, अब उनकी सुनवाई पड़ोसी राज्य असम में होगी। ये फैसला सुप्रीम कोर्ट ने आज लिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को मणिपुर हिंसा से जुड़े मामलों पर सुनवाई के लिए जजों को नामित करने का निर्देश भी दिया है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि आरोपियों की पेशी, रिमांड, न्यायिक हिरासत जैसी न्यायिक प्रक्रियाएं गुवाहाटी हाईकोर्ट द्वारा तय किए गए कोर्ट में ऑनलाइन होंगी।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मणिपुर हिंसा के आरोपियों को मणिपुर में ही न्यायिक हिरासत में लिया जाएगा। आवाजाही से बचने के लिए ऐसा किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि अगर मणिपुर हिंसा के पीड़ित, गवाह या मामले से जुड़े अन्य लोग ऑनलाइन नहीं पेश होना चाहते हैं तो कोर्ट में उन्हें शारीरिक रूप से अदालत में पेश होने की छूट रहेगी। गौरतलब है कि 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस गीता मित्तल पैनल का गठन किया था, जो मणिपुर में जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत कार्यों की निगरानी करेगा।

विस्थापित लोगों के मुहैया कराए जाएं आधार कार्ड

मणिपुर हिंसा में काफी संख्या में लोगों के विस्थापित होने के चलते उनके पहचान पत्र गुम होने की आशंका है। ऐसे में पैनल ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह राज्य सरकार समेत यूआईडीएआई को निर्देश जारी करे कि इन लोगों को आधार कार्ड मुहैया कराए जाएं। पैनल ने तीन रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा की हैं, जिनमें लोगों के पहचान पत्र बनाने, मुआवजे को अपग्रेड करने और लोगों को राहत देने के लिए अधिकारियों की तैनाती करने की जरूरत बताई है।

10 से ज्यादा मामलों की जांच कर रही सीबीआई

बता दें कि मणिपुर में दो महिलाओं को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र घुमाने और उनके साथ दुष्कर्म के मामले समेत 10 से ज्यादा मामलों की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। मणिपुर हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। मैतई समुदाय को जनजातीय आरक्षण देने की मांग के खिलाफ बीती तीन मई को ट्राइबल सॉलिडेरिटी मार्च के दौरान हिंसा भड़की। बाद में इसने कुकी और मैतई समुदाय के बीच जातीय हिंसा का रूप ले लिया।

गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों की गाड़ी पलटी, 14 श्रद्धालु घायल

हरिद्वार से बरेली जा रहे थे सभी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। कांवड़ियों के साथ एक बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आ रही है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे बरेली के कांवड़ियों की गाड़ी बिजनौर के कोतवाली देहात में गौसपुर तिराहे के पास पलट गई। जिससे दुर्घटना में 14 कांवड़िये घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी नगीना में भर्ती कराया गया है। गंभीर हालत देखते हुए एक व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बरेली के थाना नवाबगंज के गांव कंडरा कोटी के लोग निजी गाड़ी से हरिद्वार जल लेने गए थे। जब वह हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे थे, तभी उनकी गाड़ी कोतवाली देहात में गौसपुर तिराहे के पास पलट गई। वहीं, मौके पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी नगीना में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में अजय (15) पुत्र श्यामलाल, अरुण (12) पुत्र छत्रपाल, धर्मेंद्र (21) पुत्र श्यामलाल, बिट्टू (38), बबलू (19), रेणु देवी (35), सागर (15), मनोज, बाबू, विजय, गोपाल, गौरव आदि घायल हो गए। सभी को सीएचसी नगीना में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत देखते हुए बिट्टू को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

टैंकर और ऑटो में भिड़ंत दो महिलाओं की मौत

आगरा। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां हाथरस हाइवे पर बगल घूंसा के समीप सवारियों से भरे ऑटो में टैंकर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो सड़क किनारे पलट गया। ऑटो सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर जुटी राहगीरों की भीड़ ने बचाव कार्य शुरू करने के साथ ही पुलिस को सूचना दी। मौके पर जब तक पुलिस पहुंची, तब तक ऑटो सवार दो महिलाओं ने दम तोड़ दिया। वहीं चार लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।